अफ्रीका का

1

Q. नील बेसिन की भौगोलिक झलक प्रस्तुत कीजिए।

⇒ संसार का सबसे लम्बा और तीसरा बड़ा बेसिन नील बेसिन है। जिसकी लम्बाई लगभग 6650 km है। यह विषुवत रेखा के दक्षिण से निकलकर उत्तर में भूमध्य सागर में गिरती है इसका उद्गम स्थान मुख्य रूप से विक्टोरिया झील, क्योगा झील, तथा एलबर्ट झील है। जहाँ काबलेगा प्रपात स्थित है। इसकी मुख्य सहायक नदी से प्राप्त ब्लू नील, एतबारा आदि है यह लम्बी नदी कई जलवायु प्रदेशों से होकर गुजरती है दक्षिण भाग में भूमध्य सागरीय जलवायु, तो उत्तर में सवाना जलवायु से गुजरती है। इस प्रकार इसे चार उप विभागों में विभाजित किया जा सकता है।

(i) झील का पठार (ii) दक्षिणी पठार

(iii) उत्तरी सुडान (iv) डेल्टाई प्रदेश

1. झील का पठार :→ यह प्रदेश अपने उद्गम स्थान जलजंडी मलाकाल तक है। इस प्रदेश में भूमध्य रेखीय जलवायु पायी जाती है जहाँ मुसलाधार वर्षा तथा सघन वन पाये जाते है। यहाँ यह 1400 मी. की ऊँचाई से बहती है। सबसे ऊँचे भाग में सवाना घास मिलती है। मलाकाल के दक्षिणी भाग कुछ मैदानी है। जहाँ दलदल मिलती है। इस दलदली भाग में घड़ियाल तथा अन्य जलचर मिलते है। यहाँ घास क्षेत्रों में डिंका जाति के चरवाहे राक्षस की तरह नंगे-धड़ंगे पशुओं को चराते है। यहाँ खेतों में कपास तथा केला की खेती होती है। चलवासी कृषि एवं पशुपालन प्रमुख व्यवसाय है। जाण्डे योजना से कृषि में पर्याप्त सुधार किया जा रहा है।

2. दक्षिणी सूडान :→ मालाकाल से खारतूम तक इसका क्षेत्र है इसमें ब्लू नील आ कर मिलती है। यहाँ की जलवायु सवाना किस्म कि है। शीतकाल शुष्क तथा ग्रीष्म काल मे वर्षा होती है। और इसमें तथा इसकी सहायक नदियों में बाढ़ आ जाया करती है। इस नदी का पानी अंतिम जुलाई तक नील नदी में पहुंच जाती है। अक्टूबर तक मिस्र की सीमा को भी पार कर

जाती है ब्लू नील के सेन्नार बाँध से निकली नहरों से ब्लू तथा श्वेत के दोआब गेजिरा क्षेत्र में सिंचाई होती है यह सूडान का सबसे प्रसिद्ध क्षेत्र है और सिंचित भूमि पर कपास और धान की फसल को लाभ पहुँचता है। अबुहमद से वादीहल्फा तक नदी नौकागम्य नहीं है। आस्वान तक घाटी मिलते हैं और नदी संकरी घाटी से होकर गुजरती है ग्रीष्म काल में 12 cm तक वर्षा होती है। इसका पूरा क्षेत्र अर्द्ध मरुस्थल है जिसमें मरुद्यान मिलते हैं ऊँट, भेड़, तथा बकरी पशुओं का पालन पोषण होता है। इसके पालनकर्ता प्रायः सूडानी लोग हैं। मरुद्यानों में बाजरा, मूँगफली तथा खजूर की खेती होती है।

(3) उत्तरी सूडान और इजिप्ट प्रदेश :→ यह प्रदेश खारतूम से वादीहल्फा तक है। इस बीच 6 जलप्रपात मिलते हैं। इसके पूर्वी हिस्से में अबीसीनिया के पठार हैं। पश्चिमी में सहारा मरुस्थल है। दक्षिण भाग में ही अतबारा नदी इस पठार से होकर नील नदी में मिलती है। यहाँ सूडान मुख्य लाल सागर पर मुख्य पत्तन है। 6 माह पूर्व औसत तापमान 22°c से अधिक मिलता है नील के आस पास 5 km तक सीमित नील घाटी में कृषि होती है। शेष भाग मरुस्थल है। सिंचित भूमि में कपास, गन्ना, चावल, ज्वार, गेहूँ, जौ, मक्का, मटर आदि पैदा किए जाते हैं। मरुद्यानों में खजूर भी पैदा किया जाता है नदी में नावें चलती हैं। जिसमें पाल लगी होती है। नासीर झील, नासीर नगर तथा नासिर मस्जिद ऐतिहासिक स्थल है। जो नील के महत्व में चार चाँद लगाते हैं पशुपालन वस्त्र निर्माण तथा व्यापार भी अन्य उद्यम है।

(4) डेल्टाई प्रदेश :→ इस प्रदेश का विस्तार वादीहल्फा के मुहाने तक है। कई परियोजनाएँ विकसित की गई हैं। जिससे सिंचाई की जाती है। मिस्र की पूरी सिंचित भूमि इसी के द्वारा होती है। जहाँ आज हरियाली की लहरें झकझोर रही हैं सारी अर्थव्यवस्था का स्रोत कृषि है। और कृषि नील नदी पर ही आधारित है वर्षा नहीं के बराबर होती है

क्योंकि कैरो का औसत वर्षा 25 cm है। इसलिए मिस्र को नील नदी का वरदान कहा जाता है। इस डेल्टाई प्रदेश के पूरब से पश्चिम की लम्बाई 2400km तथा उत्तर से दक्षिण 1600km है। इस नदी के किनारे मिस्र की सभ्यता का विकास हुआ था। कब्र और पिरामिड्स यहाँ के प्राचीनतम स्मारकों में है। आस्वान यहाँ का सबसे अच्छा बाँध है

मुख्य फसलें! - यहाँ की आर्थिक अर्थव्यवस्था मुख्यरूप से कृषि पर आधारित है। यहाँ की मुख्य फसल गन्ना चावल तथा कपास है। इसके अतिरिक्त कुछ फसलें जैसे - मूँगफली तेलहन, गेहूँ इत्यादी है। कपास यहाँ से निर्यात भी होता है। निर्यात पतन, पोर्ट सूडान और सिकन्दरिया है।

खनिज! - खनिज सम्पदा में यह प्रदेश बिल्कुल निर्धन है। अस्वान के निकट मैंगनिज तथा इसके दक्षिण पश्चिम हिस्सा में लौह अयस्क मिलता है लाल सागर के निकटवर्ती भागों से तेल निकाला जाता है। यहाँ अन्य खनिज फास्फेट फिटकरी, जिप्सम, क्रोमाइट, सोडियम सल्फेट, सीसा, जस्ता, नमक, सोना, अभ्रक, फ्लोराइट, कोयला, जिप्सम आदि।

यातायात :→ यातायात का विस्तार खारतूम से सिकन्दरियाँ तक नदी के तटीय भाग होते हुए रेलमार्गों का विस्तार हुआ है। सूडान में सड़क मार्ग राजधानी और पतन को जोड़ती हुई खारतूम तक आती है। हवाई मार्ग कुछ ही वर्षों से प्रचलित हुआ है। काहिरा अंतरराष्ट्रिय हवाई अड्डा है। राष्ट्रीय हवाई अड्डा सिकन्दरिया और सूडान है।

आबादी! - सम्पूर्ण अफ्रीका के 30% जनसंख्या इस क्षेत्र में पायी जाती है। डेल्टाई और इजिप्ट नदी बेसिन में 700 व्यक्ति प्रतिवर्ग km के घनत्व से रहते है।

मुख्य पेशा! - मुख्यपेशा कृषि कार्य है तथा इसी पर आधारित लघु उद्योग जैसे! - कपड़ा उद्योग, सूत कातना, आटा चक्की, के कार्य आदि मुख्य है। मुख्य शहर पतन काहिरा, पोर्ट सईद, सिकन्दरियाँ, वाड़ीहल्फा, खारतूम, गिजा, इस्माइलिया, रोमा, अतबारा, मदनी, बरबर, कसाला इत्यादि है। The End

Scanned by TapScanner